

PAPER-II DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

J 3313

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Time : 1 ¼ hours

[Maximum Marks : 100]

Number of Pages in this Booklet : 12

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : (A) (B) (C) (D)
where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपकी अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
 - (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
उदाहरण : (A) (B) (C) (D) जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।

DOGRI
डोगरी
Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह (50)** मते - विकल्पी सुआल न । हर सुआल दे **दो (2)** नंबर न । **सारे** सुआल जरूरी न ।

1. मध्य भारती आर्य भाशाएं दी प्राकृत भाशाएं दी त्री अवस्था :

- (अ) शैरसेनी प्राकृत रेही ऐ ।
(ब) अपभ्रंश रेही ऐ ।
(स) दा समां 500 ई. थमां 1000 ई. मन्नेआ जंदा ऐ ।
(द) थमां गै आधुनिक भारती आर्य भाशाएं दा विकास होआ ।

- (A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

2. पैहली चंदी व दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|--------|------------------|
| (अ) च् | (i) वत्स्य |
| (ब) न् | (ii) मूर्धन्य |
| (स) ण् | (iii) दन्तोष्ठ्य |
| (द) व् | (iv) तालव्य |

कोड :

- | | | | |
|-----------|-------|-------|-------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (iv) | (i) | (ii) | (iii) |
| (B) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (C) (iii) | (iv) | (i) | (ii) |
| (D) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |

3. संबंध-सूचक अव्ययें दा काल, थाहर, नमित्त ते कारण दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

- (A) दे मझाटै, दे पैहलें, जोहगा, मूजब ।
(B) दे पैहलें, जोहगा, मूजब, दे मझाटै ।
(C) दे पैहलें, जोहगा, दे मझाटै, मूजब ।
(D) दे पैहलें, दे मझाटै, जोहगा, मूजब ।

4. हेट दित्ते गोदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते द्रुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गोआ ऐ :

A वाणी, मौखिक, स्थूल, हर बेल्लै नर्मी ते भिन्न उच्चरत इकाई ऐ ।

R वाणी जनेही इक बारी उच्चरत होंदी ऐ, उ' ऐ जनेही दूई बारी नेई, इस करी एहदे च पुनरुक्ति नेई होंदी ।

- (A) A ते R दोऐ ठीक न ।
(B) A ठीक ऐ पर R आंशिक ठीक ते आंशिक गलत ऐ ।
(C) A ते R दोऐ ठीक न । R A दी व्याख्या बिल्कुल स्हेई करा करदा ऐ ।
(D) A गलत ऐ ते R स्हेई ऐ ।

5. भाशा-कोशें दे तैहत औंदा ऐ :
- (A) लेखक कोश
(B) विशे कोश
(C) विज्ञान कोश
(D) बहुभाशी कोश
6. डोगरी दियें भाववाचक संज्ञाएं च :
- (अ) शलैपा, सर्दी, कमजोरी यौगिक संज्ञां न ।
(ब) सुख, दुख, हिरख, भुक्ख मूल संज्ञां न ।
(स) लिंग ते वचन आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।
(द) वचन ते कारक आस्तै रूपायन होंदा ऐ ।
- (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1 चंदी-2

- (अ) निश्चयार्थ (i) जाएओ
(ब) आज्ञार्थ (ii) गे
(स) संकेतार्थ (iii) गे होडन
(द) संदिग्धार्थ (iv) गे होंदे

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (iv) (iii) (ii) (i)
(C) (ii) (i) (iv) (iii)
(D) (iii) (iv) (ii) (i)

8. अकर्मक, सकर्मक, द्विकर्मक ते नामिक क्रिया दे स्हाबें इ'नें क्रियाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) खलाना, निच्छना, मांजना, टुरना ।
(B) टुरना, खलाना, निच्छना, मांजना ।
(C) निच्छना, मांजना, टुरना, खलाना ।
(D) टुरना, मांजना, खलाना, निच्छना ।

9. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A देवनागरी लिपि अपनाने कन्नै डोगरी भाशा दे साहित्य दा प्रसार देसै दे बाकी हिस्सें च बी होआ ऐ ।

R देवनागरी लिपि भारत दी संपर्क भाशा हिंदी दी लिपि होने दे कन्नै-कन्नै केइयें आधुनिक भारती भाशाएं आस्तै बी बरती जंदी ऐ । इस करी देवनागरी लिपि कन्नै परिचित कोई बी पाठक डोगरी साहित्य पढ़ी सकदा ऐ ।

- (A) A ठीक ऐ ते R A गी स्हेई चाल्ती पुश्ट नेई करदा ।
(B) R इक दम स्हेई ऐ पर A अपने आपे च स्पश्ट नेई ऐ ।
(C) A ते R दोऐ ठीक न । R A दे कथन दी इक दम स्हेई व्याख्या करदा ऐ ।
(D) A ते R दोऐ ठीक न ।

10. इंदे च क्रम-सूचक संख्या-वाचक विशेषण ऐ :

- (A) इक दर्जन केले ।
- (B) चार किलो दुद्ध ।
- (C) दोहरी रजाई ।
- (D) दूआ जागत ।

11. मेरे डोगरी गीत :

- (अ) इक गीत-संग्रह ऐ ।
- (ब) इक गीत-कविता संग्रह ऐ ।
- (स) दे रचनाकार किशन स्मैलपुरी न ।
- (द) दे रचनाकार परमानंद अलमस्त न ।
- (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (B) (ब) ते (द) ठीक न ।
- (C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

12. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (अ) गमले दे कैक्टस | (i) ओम विद्यार्थी |
| (ब) धरती दा रिन | (ii) चम्पा शर्मा |
| (स) औंगल फडी बसंता ने | (iii) रामनाथ शास्त्री |
| (द) निहालप | (iv) शिवराम दीप |

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
- (B) (iv) (iii) (i) (ii)
- (C) (ii) (i) (iv) (iii)
- (D) (ii) (i) (iii) (iv)

13. घर :

- (अ) इक खंड काव्य ऐ ।
- (ब) इक लम्मी कविता ऐ ।
- (स) दे रचनाकार कुंवर वियोगी न ।
- (द) दे रचनाकार प्रकाश प्रेमी न ।
- (A) (अ) ते (द) ठीक न ।
- (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

14. साहित्य अकादेमी आसेआ पुरस्कृत रचनां न :

- (अ) मेरी कविता मेरे गीत ।
- (ब) निर्मल सत्तसेई ।
- (स) जो तेरे मन चित्त लगगी जा ।
- (द) अस ते आं बनजारे लोक ।
- (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) (ब) ते (द) ठीक न ।
- (D) (स) ते (द) ठीक न ।

15. जित्तो :

- (अ) डोगरी दा खंड काव्य ऐ ।
- (ब) डोगरी दा महाकाव्य ऐ ।
- (स) दे रचनाकार जितेन्द्र उधमपुरी न ।
- (द) दे रचनाकार ज्ञान सिंह पगोच न ।
- (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) (अ) ते (द) ठीक न ।
- (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

16. हैलो माया :

- (अ) इक कहानी ऐ ।
(ब) इक संग्रह ऐ ।
(स) इक नाटक ऐ ।
(द) ललित मगोत्रा हुंदी रचना ऐ ।
(A) (अ) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

17. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) कांचन रंग (i) मिक्ती दी गड्डी
(ब) रास्ता कांटे (ii) सुन्ना ते सुआर्थ और हाथ
(स) आषाढ का (iii) न्हेरे रस्ते चानन एक दिन होए
(द) मृच्छकटिकम् (iv) मल्लिका

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (iii) (ii) (iv)
(B) (iv) (i) (ii) (iii)
(C) (ii) (iii) (iv) (i)
(D) (iii) (i) (ii) (iv)

18. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) रंगली चिड़ी (i) चम्पा शर्मा
(ब) सुन्ने दी चिड़ी (ii) ललित मगोत्रा
(स) साक सुन्ना प्रीत पित्तल (iii) ओम गोस्वामी
(द) ज़मीन (iv) बंधु शर्मा

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (iv) (iii) (i) (ii)
(B) (iv) (iii) (ii) (i)
(C) (ii) (i) (iv) (iii)
(D) (i) (ii) (iv) (iii)

19. प्यौकै भेजो :

- (अ) इक आंचलिक उपन्यास ऐ ।
(ब) इक सुधारवादी उपन्यास ऐ ।
(स) ओ.पी. शर्मा सारथी हुंदी रचना ऐ ।
(द) देश बंधु डोगरा नूतन हुंदी रचना ऐ ।
(A) (अ) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

20. 'सांझी धरती बखले माहनू' उपन्यास :
- (अ) समाज-राजनीतिवादी ऐ ।
 (ब) यथार्थवादी ऐ ।
 (स) आंचलिक ऐ ।
 (द) दे लेखक नरसिंह देव जम्वाल न ।
 (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
 (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
 (C) (अ) ते (द) ठीक न ।
 (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
21. मश्करी :
- (अ) मनोरंजन दा इक साधन ऐ ।
 (ब) मसखरें दे कम्मै जां धंधे दा नां ड नेई ऐ ।
 (स) दा सरबंध हास्सा नांड दे मनोभाव कन्नै ऐ ।
 (द) दिलै दी खुराक ऐ ।
 (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
 (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
 (C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
 (D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
22. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :
- | चंदी-1 | चंदी-2 |
|---------------|---|
| (अ) संदोख | (i) उच्च कर्म ऐ । |
| (ब) इक्कलपुना | (ii) आपमुहारे नींदर त्रुट्टी जंदी ऐ । |
| (स) समाज सेवा | (iii) इक्कली बनै च लक्कड़ी बी नेई होऐ । |
| (द) सवरै-सवरै | (iv) अंदरूनी-बैरूनी सुखे दा सिरजनहारा ऐ । |
- कोड :
- | | | | |
|-----|------|-------|------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) | (iv) | (iii) | (i) |
| (B) | (iv) | (iii) | (ii) |
| (C) | (ii) | (i) | (iv) |
| (D) | (i) | (ii) | (iv) |

23. शक्ति शर्मा, रामनाथ शास्त्री, लक्ष्मी नारायण, चम्पा शर्मा गद्य-लेखकें दे क्रम दे स्हाबें उं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :
- (A) जीवन दे त्रै उद्देश्श, डोगरी कविता च नमें सुर, उर्मिला दी नींदर, जक्को-तक्के ।
 (B) जीवन दे त्रै उद्देश्श, जक्को-तक्के, डोगरी कविता च नमें सुर, उर्मिला दी नींदर ।
 (C) उर्मिला दी नींदर, जक्को-तक्के, डोगरी कविता च नमें सुर, जीवन दे त्रै उद्देश्श ।
 (D) उर्मिला दी नींदर, जीवन दे त्रै उद्देश्श, जक्को-तक्के, डोगरी कविता च नमें सुर ।
24. हेट दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
- A अज्ज दे दौर च कोई बी मनुक्ख बजुर्ग जां दान्ना-प्रधान्ना खुआना इक गाल समझदा ऐ । हर कोई चाहंदा ऐ जे ओह जुआन बने दा र'वै ।
- R मनुक्खै दी जुआन बनी रौहने दी लालसा अज्ज दे समें च बधदी जा करदी ऐ । ओह जुआन बनी रौहने दे नेकां यत्न-प्रयत्न करा करदा ऐ । इस आस्तै कोई मुरब्बें दा सेवन करदा ऐ । कोई विटामिनज़ ते कोई कास्मैटिक सर्जरी करोआइयै बढापे गी नसाने दे यत्न करदा ऐ ।
- (A) A ठीक ऐ पर R उसदी व्याख्या ठीक नेई करा करदा ऐ ।
 (B) A स्हेई नेई ऐ ते R बी व्याख्या गलत करा करदा ऐ ।
 (C) A ते R दमें ठीक न । A दे स्पष्टीकरण च R युक्तियां बी देआ करदा ऐ ।
 (D) A अस्पष्ट ऐ ते R ठीक ऐ ।

25. संस्मरणात्मक लेख संग्रह ऐ :
 (A) कंडियारी दे फुल्ल
 (B) डोगरी लेख-माला
 (C) निक्के-निक्के निबंध
 (D) चेतें दियां ग'लियां
26. कु'न चंगे कु'न मंदे :
 (अ) रंगमंची बाल नाटक ऐ ।
 (ब) दे लेखक दा नां ड मोहन सिंह सलाथिया ऐ ।
 (स) दे नेकी ते बदी प्रमुख पात्तर न ।
 (द) च समाजक ते राजनीतक बुराइयें गी गुहाड़ेआ गेदा ऐ ।
 (A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
 (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
 (C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
 (D) (अ) ते (ब) ठीक न ।

27. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|-----------------|---|
| (अ) नमां ग्रां | (i) दीनू भाई पंत । |
| (ब) सरकार | (ii) मोहन सिंह सलाथिया । |
| (स) समें ओ समें | (iii) रामनाथ शास्त्री, दीनू भाई पंत ते रामकुमार अबरोल । |
| (द) संझाली | (iv) नरसिंह देव जम्वाल । |

कोड :

- | | | | |
|-----------|------|------|-------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (i) | (ii) | (iv) | (iii) |
| (B) (iii) | (i) | (ii) | (iv) |
| (C) (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (D) (iv) | (ii) | (i) | (iii) |

28. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें इ'नें नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) आनमर्यादा, अयोध्या, पंज कल्याणी, कूंशजादी ।
 (B) अयोध्या, आनमर्यादा, कूंशजादी, पंज कल्याणी ।
 (C) कूंशजादी, अयोध्या, आनमर्यादा, पंज कल्याणी ।
 (D) आनमर्यादा, अयोध्या, कूंशजादी, पंज कल्याणी ।

29. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A डुग्गर च रंगमंची नाटक दा मुंढ 1935 ई. च पेआ । इस थमां पैहलें सदियें चलदी आवा'रदी लोक नाटक दी परम्परा ते मजूद ही ते भगतां, रासलीलां, आदि खढोंदियां हियां । पर, उं'दे आस्तै मंडुए दी लोड़ नेई ही ।

R की जे रंगमंची नाटकें दा श्रीगणेश विश्वनाथ खजूरिया हुंदे रंगमंची नाटक 'अछूत' कन्नै होआ हा, इस करी डोगरी नाटकें दे इतिहासै दी तंद अछूत कन्नै गै जाई जुडदी ऐ ।

- (A) A ते R दमैं ठीक न । R A च दित्ते गेदे कथन दी व्याख्या बी करा करदा ऐ ।
 (B) R A च दस्से गेदे तत्थै दी पुष्टि नेई करदा ऐ ।
 (C) R ठीक ऐ ते A गलत ऐ ।
 (D) A आंशिक ठीक ऐ ते R बिल्कुल ठीक नेई ।

30. इं'दे च जितेंद्र शर्मा हुंदा एकांकी संग्रह ऐ :
 (A) चौसर । (B) बुड्ड सुहागन ।
 (C) पंज रंग । (D) सत्त रंग ।
31. में मेरा मन मैहलडा मैहकन नेई बचार :
 (अ) 'दोहा सतसेई' थमां लेई दी पंगती ऐ ।
 (ब) इस च अनुप्रास अलंकार दा प्रयोग होए दा ऐ ।
 (स) इस दोहा संकलन दे रचनाकार निर्मल विनोद न ।
 (द) 'दोहा सतसेई' सीताराम सपोलिया दी रचना ऐ ।
 (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
 (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
 (C) (ब) ते (स) ठीक न ।
 (D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
32. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :
 चंदी-1 चंदी-2
 (अ) काव्य दी आत्मा (i) आचार्य भामह । ध्वनि
 (ब) रस भरे वाक्य (ii) आचार्य वामन । काव्य
 (स) काव्य दी आत्मा (iii) आचार्य विश्वनाथ । रीति
 (द) अलंकार-युक्त (iv) आचार्य आनन्दवर्धन । रचना काव्य
 कोड :
 (अ) (ब) (स) (द)
 (A) (iv) (iii) (ii) (i)
 (B) (iv) (ii) (iii) (i)
 (C) (ii) (i) (iv) (iii)
 (D) (i) (ii) (iv) (iii)

33. प्रकाशन दे स्हाबें साहित्य अलोचना सरबंधी कृतियें दा स्हेई क्रम ऐ :
 (A) डोगरी साहित्य च युग चेतना, डोगरी साहित्य मेरी नज़री च, डोगरी गद्य : इक परचोल, डोगरी साहित्य आलोचना ।
 (B) डोगरी साहित्य आलोचना, डोगरी साहित्य च युग चेतना, डोगरी गद्य : इक परचोल, डोगरी साहित्य मेरी नज़री च ।
 (C) डोगरी गद्य : इक परचोल, डोगरी साहित्य आलोचना डोगरी साहित्य च युग चेतना, डोगरी साहित्य मेरी नज़री च,
 (D) डोगरी साहित्य आलोचना, डोगरी साहित्य मेरी नज़री च, डोगरी साहित्य च युग चेतना, डोगरी गद्य : इक परचोल ।
34. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
 A जिस भाव थमां रस दी उत्पत्ति होंदी ऐ, उसगी स्थाई भाव आखेआ जंदा ऐ । काव्य-शास्त्रियें द्वारा रस दस मन्ने गेदे न । इसकरी स्थाई भावें दी संख्या बी दस ऐ ।
 R इक्कले स्थाई भाव रस दी उत्पत्ति नेई करी सकदे । जद तगर विभाव, अनुभाव ते व्यभिचारी जां संचारी भावें दा उ'नेंगी साथ-सैहयोग नेई मिले ।
 (A) A च दित्ती गेदी रस दी परिभाशा नामुकम्मल ऐ ते R उसी मुकम्मल करा करदा ऐ ।
 (B) R स्हेई ऐ ।
 (C) A आंशिक रूप च स्हेई ऐ ।
 (D) A ते R दमें गलत न ।

35. इने काव्य शास्त्रिये चा 'औचित्य' सिद्धांत दे प्रवर्तक न :

- (A) भरत मुनि ।
 (B) वामन ।
 (C) क्षेमेन्द्र ।
 (D) कुन्तक ।

36. बार :

- (अ) लोकगाथाएं दी इक विधा ऐ ।
 (ब) इसगी दरेस लोक गांदे न ।
 (स) एह थद्वे-थाने पर गाई जंदी ऐ ।
 (द) इसगी भंड गांदे न ।
 (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
 (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
 (C) (अ) ते (ब) ठीक न ।
 (D) (अ) ते (द) ठीक न ।

37. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविशिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविशिये कन्ने सहेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) रामबन पुल (i) डोगरी लोक
 बनेआ, बनेआं कथे दे संग्रह
 बाज गरारिया दा सिरलेख ऐ ।
 (ब) गल्ले बड्डी तूं (ii) मुहावरा ऐ ।
 कुडे, करतूते
 बड्डी अ'ऊं
 (स) चल मेरी ढोलकी (iii) डोगरी लोक
 टमका टू गीते दा मुखड़ा
 ऐ ।
 (द) तली टिम्बना (iv) डोगरी बाख ऐ ।

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
 (A) (iv) (iii) (ii) (i)
 (B) (iv) (ii) (iii) (i)
 (C) (iii) (iv) (i) (ii)
 (D) (i) (ii) (iv) (iii)

38. भगती, मेहनत मुशक्कत ते खेदे सरबंधी लोक-गीते दा क्रम दे सहाबे सहेई क्रम ऐ :

- (A) भेटां, सुहाडी, कीकली ।
 (B) कीकली, भेटां, सुहाडी ।
 (C) सुहाडी, कीकली, भेटां ।
 (D) सुहाडी, भेटां, कीकली ।

39. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A जिस मल्लजुद्ध च द'ऊं पलोहाने जां द'ऊं दले मझाटे घोल करोआया जंदा ऐ, उसगी छि'ज आखेआ जंदा ऐ । इस च जित्तेने आहले गी माल्ली बी दित्ती जंदी ऐ ।

R इक दूई किसम दी छि'ज बी होंदी ऐ, जिसदा सरबंध भगती कन्ने होंदा ऐ । इस च माल्ली नेई दित्ती जंदी ।

- (A) A च छि'ज दी पूरी परिभाशा नेई दित्ती गेदी, इस करी आंशिक रूप च सहेई ऐ ते R पूरी चाल्ली ठीक ऐ ।
 (B) A मता ठीक ऐ ।
 (C) R मता ठीक ऐ ।
 (D) दमें पूरी चाल्ली सहेई नेई ।

40. लोक साहित्य पर लिखत प्रकाशत शोध प्रबंध ऐ :

- (A) डुग्गर दी लोक चिकित्सा ।
 (B) डुग्गर दे थाहर-नाएं दा सांस्कृतक ते भाशा-विज्ञानक अध्ययन ।
 (C) डोगरी लोक गीते दा सांस्कृतक अध्ययन ।
 (D) डोगरी लोकगाथां : इक विश्लेशनात्मक अध्ययन ।

41. नाटक-अनुवाद दे संदर्भ च :
- (अ) अनुवादक गी रंगमंच दा ज्ञान होना जरूरी ऐ ।
- (ब) छंद-अलंकारें दे प्रयोग दी म्हारत होनी चाहिदी ऐ ।
- (स) संवादें राहें गलाई गेदी गल्ल रंगमंची प्रस्तुति च अभिव्यक्त होंदी ऐ ।
- (द) अनुवादक गी सिर्फ स्रोत ते लक्ष्य भाशा दी जानकारी होनी चाहिदी ऐ ।
- (A) (अ) ते (स) ठीक न ।
- (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (C) (अ) ते (ब) ठीक न ।
- (D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

42. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) इ'यां नामुमकन ऐ जि'यां संगीत दा अनुवाद । (i) राबर्ट फ्रास्ट
- (ब) जेहड़ा अनुदित होने कोला रेही जंदी ऐ, उ'ऐ ते काव्य ऐ । (ii) वाल्टेयर
- (स) जींदा कुत्ता मोए दे शेर कोला चंगा होंदा ऐ । (iii) एच.डी. फारेस्ट
- (द) अनुवाद बुस्पी दी स्ट्राबरी आह्ला लेख होंदा ऐ । (iv) फिट्ज़जेरालड

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
- (A) (iv) (iii) (i) (ii)
- (B) (iv) (iii) (ii) (i)
- (C) (ii) (i) (iv) (iii)
- (D) (i) (ii) (iv) (iii)

43. सोमदेव भट्ट, विष्णु प्रभाकर, जसवीर भुल्लड, शरतचंद्र लेखकें दे स्हाबें उं'दी अनूदित रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) कथासरित सागर, सुनो एह कहानी, जंगल टापू, दत्ता ।
- (B) सुनो एह कहानी, जंगल टापू, दत्ता, कथासरित सागर ।
- (C) जंगल टापू, दत्ता, कथासरित सागर, सुनो एह कहानी ।
- (D) दत्ता, कथासरित सागर, सुनो एह कहानी, जंगल टापू ।

44. हेट दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A अनुवादक गी शब्दानुवाद दी प्रवृत्ति कशा बचना चाहिदा ऐ । ऐसा करने कन्नै मूल अर्थ ते अभिव्यंजना दा शलैपा नश्ट होई जंदा ऐ ।

R अनुवादक गी शब्दानुवाद जित्थे मूल कथ्य ते भाव दी सुरक्षा ते सौंदर्य गी बनाई रक्खै, उत्थे गै करना चाहिदा ऐ ।

नेई तां भावानुवाद करदे होई मूल भाव दी सुरक्षा ते शलैपे दा गुहाड़ भरेआ जाई सकदा ऐ ।

- (A) A ते R दोऐ ठीक ऐ ।
- (B) A गल्ल ऐ ते R स्हेई ऐ ।
- (C) R स्हेई ते युक्ति-युक्त ऐ ।
- (D) A ठीक ऐ ते R उसदी युक्ति-संगत व्याख्या करा करदा ऐ ।

45. इंदे च डोगरी काव्यानुवाद ऐः
- (A) काले कांड ते काला पानी ।
 (B) बरसगढे दी धुप्प ।
 (C) कलकत्ते दी कहानी : वाया बाइपास ।
 (D) जहार हंस ।
46. टैलीविजन :
- (अ) गी आकाशवाणी थमां सन् 1976 ई. च बक्ख कीता गेआ हा ।
 (ब) उप्परा एशियाई खेढें दौरान रंगीन प्रसारण रंभ कीता गेआ हा ।
 (स) उप्परा एशियाई खेढें बाद रंगीन प्रसारण रंभ कीता गेआ हा ।
 (द) आस्तै खेतराी चैनलें राहें प्रसारित होने आहले कार्यक्रमें दा निर्माण स्थानी केंद्रें च कीता जंदा ऐ ।
- (A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
 (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
 (C) (ब) ते (द) ठीक न ।
 (D) (अ) ते (स) ठीक न ।
47. पैहली चंदी च दिल्ली दियें प्रविशियें दा च दूई चंदी च दिल्ली दियें प्रविशियें कन्ने स्हेई मिलान करो :
- | चंदी-1 | चंदी-2 |
|--------------------|--------------------------|
| (अ) मुद्रित समग्री | (i) सूचक |
| (ब) नाटक | (ii) दर्शक ते श्रोता |
| (स) इंटरनेट | (iii) पाठक |
| (द) मनादी आहला | (iv) इलैक्ट्रानिक मीडिया |
- कोड :
- (अ) (ब) (स) (द)
 (A) (i) (iii) (iv) (ii)
 (B) (iv) (i) (ii) (iii)
 (C) (iii) (ii) (iv) (i)
 (D) (ii) (iv) (i) (iii)

48. जोत, डोगरी शोध, शीराजा डोगरी, क्रम दे स्हाबें पत्रिकाएं दा स्हेई क्रम ऐः
- (A) साहित्यक पत्रिका, बाल-पत्रिका, शोध-परक पत्रिका ।
 (B) बाल-पत्रिका, साहित्यक पत्रिका, शोध-परक पत्रिका ।
 (C) शोध-परक पत्रिका, बाल-पत्रिका, साहित्यक पत्रिका ।
 (D) बाल-पत्रिका, शोध-परक पत्रिका, साहित्यक पत्रिका ।
49. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐः
- A लिखत समग्री छपाई दे माध्यम च औंदी ऐ । इस च स्थाई ते अस्थाई हर चाल्ली दी समग्री प्रकाशत कीती जंदी ऐ । इस च चिंतन-मनन दे भरपूर अवसर होंदे न ।
- R लिखत समग्री दा प्रभाव स्थाई होंदा ऐ ते समग्री बी चिर स्थाई होंदी ऐ । इसगी पाठक अपनी सुविधा अनुसार कदें बी पढी सकदा ऐ । इस आस्तै इस च चिंतन-मनन दे मौके बेशुमार होई सकदे न ।
- (A) A ठीक ऐ पर R च अतिशयोक्ति ऐ ।
 (B) A ते R दमें ठीक न ते R च दित्ता गेदा तर्क A दे कथन दी पुश्टी करदा ऐ ।
 (C) R ठीक ऐ पर A च तर्कसंगता नेई ।
 (D) A ते R च कोई संगति नेई ।
50. कठपुतली :
- (A) लोक-नाट्य दी इक किस्म ऐ ।
 (B) लोक-संगीत दी इक किस्म ऐ ।
 (C) लोक-गीत दी इक किस्म ऐ ।
 (D) लोक-कथें दी इक किस्म ऐ ।

Space For Rough Work